मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 10 अक्टुबर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	10-10-14	11-10-14	12-10-14	13-10-14	14-10-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	1	1
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	39	38	38	37	37
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	23	23	22
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	4	3	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	54	48	46	42	38
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	28	24	22	18	18
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	2	7	9	9
हवा की दिशा	पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

बाजरा की फसल पक गई हो तो उसकी कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें।

खरोफ दलहनी फसलों की फलियां पक गई हो तो उनकी तुड़ाई करें तथा फसलों को पकते ही उनकी कटाई करके सुरक्षित स्थान पर रखे।

सरसों की बुवाई के लिए तापमान उपयुक्त नही है। अतः इस समय बुवाई न करें। आवश्यक आदानों की अग्रिम व्यवस्था कर ले। बायो–902, आर.एच.–30, आर. एच–819, टी–59 सरसों की उन्नत किस्मे हैं।

सरसों की फसल को बीज जनित रोगों से बचाव के लिये 4–8 ग्राम ट्राइकोडर्मा या 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम या 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें।

हरी घास व सूखे चारे को उपलब्धता बढ़ी है, ऐसे में पशु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित ही रखें व सूखे चारे की मात्रा बढाकर दें क्योकि हरे चारे को अधिक मात्रा में खाने से पशुओं में हरे रंग की दस्त या "एसिडोसिस" की समस्या हो सकती है।